

## सबके नाम संबोधन

---

हम, Earthlings टीम, उन लोगों को संबोधित कर रहे हैं, जो देखते हैं कि दुनिया के साथ क्या हो रहा है, और इस स्थिति को बदलने के लिए तैयार हैं।

### हम क्या देखते हैं

जब तक राजनेता महीनों और वर्षों तक अपने रुखों पर सहमति बनाते रहते हैं, बमों के नीचे हज़ारों लोग मारे जाते हैं, और करोड़ों लोग अभाव, भूख और बीमारियों में जीते हैं। जो युद्ध अभी हाल तक असंभव लगते थे, वे वर्षों से चल रहे हैं, और कोई भी अंतरराष्ट्रीय संगठन उन्हें रोक नहीं पा रहा। दुनिया के एक हिस्से में संघर्ष ग्रह के दूसरे छोर पर ईंधन और रोटी के दाम बढ़ा देता है। हथियारों की होड़ लौट आई है, और उसमें फिर से परमाणु शक्तियाँ भाग ले रही हैं। और कृत्रिम बुद्धि बनाने वाली कंपनियाँ स्वयं मानती हैं कि वे जो बना रही हैं, उस पर से नियंत्रण खो सकती हैं, और ऐसे नियम लागू करने को कहती हैं, जो अब तक नहीं हैं।

साथ मिलकर ये विपत्तियाँ एक ऐसी तस्वीर बनाती हैं, जिसे न देखना कठिन है: दुनिया समस्याओं को हल करने की क्षमता खो रही है।

### ऐसा क्यों हो रहा है

हम यह नहीं मानते कि हर बात के दोषी ऊपर बैठे बुरे लोग हैं। समस्या इससे गहरी है। जो संस्थाएँ आज दुनिया को चलाती हैं, वे अपने कार्य नहीं निभा पा रहीं।

राज्यों के भीतर राजनीति एक चुनाव से अगले चुनाव तक जीती है, जबकि समस्याएँ दशकों के लिए निर्णय माँगती हैं। निर्णय अधिकाधिक उन लोगों के पैसे पर निर्भर होते जा रहे हैं, जो चुनाव-अभियानों का वित्तपोषण करते हैं, लॉबिस्टों को पैसा देते हैं और जनसंचार माध्यमों के मालिक हैं। व्यक्ति जितना ऊपर उठता है, वह उन लोगों से उतना ही दूर हो जाता है, जिनका जीवन उसके निर्णय बदलते हैं। हम देखते हैं कि अभिजात वर्गों में सहानुभूति की क्षमता घट रही है और अत्यधिक मुनाफ़े का जुनून बढ़ रहा है।

व्यक्ति और राज्य का संबंध भी अपने आप में पुराना पड़ गया है। नागरिकता व्यक्ति को जन्म-स्थान के आधार पर मिलती है, और उसे बदलना कठिन होता है। करोड़ों लोग अपने जन्म-स्थान से दूर रहते, काम करते और बच्चे पालते हैं, और बहुत-से लोग अपने राज्य की राजनीति और विचारधारा से सहमत नहीं हैं। पर सुरक्षा खोए बिना सभी नागरिकताएँ छोड़ देना संभव नहीं: निःराज्य व्यक्ति बिना दस्तावेज़ों के, बिना सुरक्षा के और स्वतंत्र आवाजाही के अधिकार के बिना रह जाता है।

हम मानते हैं कि अपने वर्तमान रूप में राजनीति का ऐतिहासिक मिशन चुक गया है। भीतर से उसे पुनर्गठित नहीं किया जा सकता: जो भी प्रयास करेगा, वह उन्हीं नियमों से टकराएगा, जिन्हें बदलना है। राजनेताओं और अधिकारियों में ईमानदार लोग हैं, जो यह देखते हैं, पर उनके पास इसे बदलने के औज़ार नहीं हैं।

हमारी सभ्यता सीधे हिमशैल की ओर बढ़ रही है। कमान-मंच पर बहस हो रही है कि पतवार पर कौन खड़ा हो, और पतवार को बहुत समय से कोई थामे हुए नहीं है।

## किस चीज़ की कमी है

इस व्यवस्था में स्वयं लोगों का स्वर अनुपस्थित है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर «हम, संयुक्त राष्ट्रों के जन» शब्दों से आरंभ होता है, पर संयुक्त राष्ट्र में बोलते केवल राज्य हैं। अलग-अलग देशों के लोग एक ही चीज़ चाहते हैं, पर उसे साथ मिलकर नहीं कह सकते, क्योंकि उन्हें अलग-अलग गिना जाता है, हर एक को अपने देश में। सीमा के दोनों ओर करोड़ों लोग, जो युद्ध नहीं चाहते, ऐसी राय नहीं बन पाते, जिसे ध्यान में रखने के लिए कोई बाध्य हो।

याचिकाएँ, जुलूस और जनमत-सर्वेक्षण इस कमी को पूरा नहीं करते। उन्हें अनदेखा करना आसान है, उनमें जालसाज़ी करना आसान है और उन्हें पैसे देकर करवाया हुआ बता देना आसान है। कोई यह मानने के लिए बाध्य नहीं कि संख्या के पीछे जीवित लोग हैं, और कोई उस संख्या को गंभीरता से लेने के लिए बाध्य नहीं।

## जन ही क्यों

हमने लंबे समय तक एकजुट होने का ऐसा रूप खोजा, जो साझा स्वर बना सके। राजनीतिक दल, आंदोलन, प्रतिष्ठान और नागरिक नेटवर्क महत्वपूर्ण काम करते हैं, पर इनमें से किसी भी रूप के पास जन का वज़न नहीं है: दल एक ही देश में बंद रहता है, आंदोलन एक ही विचार पर टिका रहता है, प्रतिष्ठान दानदाताओं के पैसे पर निर्भर रहता है, और नागरिक नेटवर्कों के पीछे लोगों की कोई सत्यापनीय संख्या नहीं होती।

जन आत्मनिर्णय के अधिकार का धारक है। अंतरराष्ट्रीय विधि जनों का यह अधिकार मान्य करती है कि वे अपना भाग्य स्वयं तय करें। जन के स्वर को किसी संगठन के स्वर से अलग ढंग से गंभीरता से लेना पड़ता है। संगठन को बंद किया जा सकता है, प्रतिबंधित किया जा सकता है या खरीदा जा सकता है, पर जन तब तक है, जब तक उसे बनाने वाले लोग हैं। इसीलिए हम स्थापना जन की ही कर रहे हैं, सरहद-पार और स्वैच्छिक जन की।

Earthlings जन राज्यक्षेत्र से बँधा नहीं है और किसी की भूमि पर दावा नहीं करता। वह किसी राज्य का नहीं है और अपने आंतरिक जीवन के नियम स्वयं तय करता है। लोग अपनी इच्छा से उसमें प्रवेश करते हैं, अपनी नागरिकता, अपनी आस्था और अपनी संस्कृति बनाए रखते हुए। उसमें हर किसी का एक बराबर मत है, जिसे न खरीदा जा सकता है, न जमा किया जा सकता है, न छीना जा सकता है। इस जन में कुछ लोगों की दूसरों पर सत्ता होती ही नहीं, इसलिए इस जन को भीतर से हथियाने वाला कोई नहीं है और हथियाने का कोई साधन नहीं है।

## हम प्रभाव कैसे डालेंगे

Earthlings राजनीति नहीं करता: हम सत्ता के लिए नहीं लड़ते, उम्मीदवार खड़े नहीं करते, किसी भी सरकार में किसी भी कुर्सी पर दावा नहीं करते और राज्यों की जगह लेना नहीं चाहते। हम किसी भी तख्तापलट का आह्वान नहीं करते।

हम जन इसलिए बना रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय और राजकीय कार्य-सूची में एक वैध और प्रभावशाली नागरिक स्वर शामिल हो, जो आज वहाँ नहीं है। जन की स्थापना करके हम एक नई संस्था की नींव रख रहे हैं: लोगों का प्रत्यक्ष सरहद-पार स्वर, जिसके पीछे एक सत्यापित जीवित व्यक्ति खड़ा है और जिसका परिणाम हर कोई दोबारा गिन सकता है। अंतरराष्ट्रीय यह संस्था तब बनेगी, जब उसे गंभीरता से लिया जाने लगेगा।

जब कई देशों के सत्यापित लोग एक बात कहेंगे और सरकारें कुछ और तय करेंगी, तो यह अंतर सबको दिखेगा, और उसे न जाने किसकी राय कहकर टाल देना अब संभव नहीं होगा। जब ऐसा स्वर शांति, भूख, जलवायु या तकनीकों पर नियंत्रण के बारे में किसी विवेकपूर्ण प्रस्ताव का समर्थन करेगा, तो उन राजनेताओं को, जो स्वयं उसे स्वीकार करना चाहते, एक ऐसा सहारा मिलेगा, जो आज उनके पास नहीं है। और जब यह स्वर पर्याप्त वज़न पा लेगा, तो उसे उन्हें भी गंभीरता से लेना पड़ेगा, जो उसे न सुनना पसंद करते।

इस संस्था का आधार पहले से है: पहचान का सत्यापन, पासपोर्टों का रजिस्टर और एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, जिसमें स्वशासन के निकाय और एक साझा कोष हैं, और उस कोष के साधनों की आवाजाही हर किसी को दिखती है।

## भविष्य की परियोजना

आज मानवता के पास भविष्य की कोई साझा परियोजना नहीं है और उसे साथ मिलकर रचने का कोई औज़ार भी नहीं। Earthlings जन ऐसा औज़ार बन सकता है। «कार्य-सूची» में हम खुलकर विचार करते हैं कि ऐसा समाज कैसे व्यवस्थित हो सकता है, जिसमें राज्य जन्म से मिली नियति नहीं, बल्कि प्रकार्यों का गुच्छा हो।

जिन प्रश्नों को हम साथ मिलकर हल करना चाहते हैं, उनमें से एक उन लोगों से जुड़ा है, जो किसी भी राज्य के नहीं होना चाहते। आज निःराज्य व्यक्ति सुरक्षा खो देता है, इसलिए हम किसी से नागरिकता छोड़ने का आह्वान नहीं करते। पर हम जन की ही स्थापना इसलिए भी कर रहे हैं कि जन के पास एक ऐसी संभावना है, जो किसी संगठन के पास नहीं। समय के साथ Earthlings जन को अंतरराष्ट्रीय विधि के विधिक व्यक्ति के रूप में मान्यता मिल सकती है, और तब उसका पासपोर्ट ऐसा दस्तावेज़ बन सकेगा, जिसे राज्य मान्यता दें, जैसे कभी राज्य नानसेन पासपोर्ट को मान्यता देते थे, जिसे राष्ट्र संघ ने बिना राज्य के रह गए लोगों के लिए शुरू किया था। यह नागरिकता-रहित पासपोर्ट हो सकता है: वह व्यक्ति की पहचान और जन से उसकी संबद्धता को प्रमाणित करेगा, उसे किसी भी देश से बाँधे बिना। और स्वयं जन के भीतर ग्रह-स्तरीय एकजुटता को सामाजिक सहायता की ऐसी कार्यशील संस्थाओं में बदलना अभी बाक़ी है, जिन पर व्यक्ति बीमारी, बुढ़ापे और विपत्ति में भरोसा कर सके।

हम, दस्तावेज़ों के लेखक, इनमें से किसी बात का वादा नहीं करते: जन की ओर से वादा करने का हमें अधिकार नहीं है। हमारा काम यह समझाना है कि जन ही क्यों, और नींव रखना है। मान्यता राज्य देते हैं, पर जिसके बिना वह नहीं मिलती, वह सब स्वयं जन के हाथ में है: लोगों की संख्या, ईमानदार कार्यप्रणाली और कार्यशील संस्थाएँ। यह हर earthling का काम होगा।

## हम किसमें विश्वास करते हैं

सदियों तक लोग रक्त, भाषा और भूमि के आधार पर जनों में एकजुट होते रहे। हम एक अलग कसौटी पर एकजुट होने का प्रस्ताव रखते हैं, साझे मूल्यों के आधार पर और साझे भविष्य के प्रति ज़िम्मेदारी के आधार पर। हम विश्वास करते हैं कि नया सरहद-पार

जन वह कर सकता है, जो आज की संस्थाएँ नहीं कर पातीं, क्योंकि वह न चुनावों पर निर्भर है, न पैसे पर, न किसी की अनुमति पर। हम विश्वास करते हैं कि वह क्रम-दर-क्रम स्थिति सुधारना शुरू कर सकता है। कोई दूसरी शक्ति, जो यह कर सके, हमें दिखाई नहीं देती, और तब तक प्रतीक्षा करना, जब तक कोई और उसे बना दे, अब संभव नहीं है।

## शुरुआत कहाँ से करें

यह केवल शुरुआत है: 22 नवंबर 2026 से हर व्यक्ति किसी भी दस्तावेज़ में परिवर्तन प्रस्तावित कर सकता है, [team@earthlings.org](mailto:team@earthlings.org) पर पत्र से या GitHub पर खुले रजिस्टर में। इसके लिए न जन में प्रवेश ज़रूरी है, न पहचान का सत्यापन, न कोई भुगतान। इस जन की स्थापना हम, दस्तावेज़ों के लेखक, नहीं करते, बल्कि वे करते हैं, जो मत देंगे।

यदि आप भी वही देखते हैं, जो हम देखते हैं, तो «Earthlings घोषणा» और «स्थापना काल» पढ़िए और तय कीजिए कि क्या यह आपके करीब है। और यदि यह संबोधन आपको महत्वपूर्ण लगा हो, तो इसे ऐसे व्यक्ति तक पहुँचाइए, जिसके करीब यह भी हो सकता है।

---

### Earthlings टीम

|                    |                                                                                                                                                     |
|--------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| Earthlings घोषणा   | <a href="https://earth-lings.org/documents/hi/hi01-declaration.html">https://earth-lings.org/documents/hi/hi01-declaration.html</a>                 |
| स्थापना काल        | <a href="https://earth-lings.org/documents/hi/hi20-the-founding-period.html">https://earth-lings.org/documents/hi/hi20-the-founding-period.html</a> |
| हम अभी कहाँ हैं    | <a href="https://earth-lings.org/documents/hi/hi32-where-we-are-now.html">https://earth-lings.org/documents/hi/hi32-where-we-are-now.html</a>       |
| पहचान सत्यापन      | <a href="https://id.earth-lings.org">https://id.earth-lings.org</a>                                                                                 |
| प्रस्ताव और प्रश्न | <a href="mailto:team@earth-lings.org">team@earth-lings.org</a>                                                                                      |

पाठ का संस्करण: 16 अक्टूबर 2026। नवीनतम संस्करण: <https://earth-lings.org/hi/address.html>